Mahendra's

UP POLICE कांस्टेबल/ UP लेखपाल

HINDI

विराम चिन्ह

LIVE 03:00 PM

रोको मत जाने दो।

रामलाल सिंह तो, मर गये।

विराम-चिह्न -

व्याकरण में 'विराम-चिह्न' का एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। इन चिह्नों के द्वारा वाक्यों को पढ़ने, बोलने और उनके अर्थ को समझने में बहुत सहायता मिलती है।

अर्थ और परिभाषा-

विराम-चिह्न वस्तुतः अर्थ-निर्देशक होते हैं और उन्हें सदैव इसी दृष्टिकोण द्वारा व्यवस्थापित किया जाना चाहिए। वक्ता को बोलते समय किसी पद, वाक्यांश अथवा वाक्य के पश्चात् आशय की स्पष्टता के लिए रुकना पड़ता है।
इस रुकने की क्रिया को ही 'विराम' की संज्ञा दी गयी है।
विराम-शब्द से रुकने का भाव ग्रहण किया जाता है।

विराम-चिह्न वाक्य में निम्न कार्य करते हैं, जो नीचे दिये गये हैं :

(1) वाक्य में स्पष्टता लाने के लिए विराम-चिह्नों का प्रयोग अनिवार्य होता है। यदि वाक्य में इन विराम-चिह्नों का प्रयोग ठीक न हो तो अस्पष्टता और भ्रामकता बनी रहती है।

(i) रोको मत जाने दो। (अस्पष्ट वाक्य)
(ii) रोको मत, जाने दो। (स्पष्ट वाक्य)
(iii) रोको, मत जाने दो। (स्पष्ट वाक्य)

(2) कभी-कभी विराम चिह्न के समुचित प्रयोग के अभाव में अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

(i) मलखानसिंह तो, मर गये।
(ii) मलखानसिंह तोमर गये।

विराम-चिह्न -

हिन्दी में प्रयुक्त विराम चिह्न			
1.	अल्प विराम	,	(Comma)
2.	अर्द्धविराम	;	(Semi colon)
3.	पूर्ण विराम	।	(Full stop)
4.	प्रश्नवाचक चिह्न	?	(Sign of Interrogation)
5.	विस्मयादिबोधक	!	(Sign of Exclamation)
6.	योजक चिह्न	-	(Hyphen)
7.	निर्देशक चिह्न	–	(Dash)
8.	विवरण चिह्न	:–	(Colon Dash)
9.	उद्धरण चिह्न	‘ ’ “ ”	(Inverted Commas)
10.	कोष्ठक चिह्न	() { } [ ]	(Brackets)
11.	संक्षेप चिह्न	.	(Dot)
12.	हंस पद चिह्न	λ	—
13.	लोप सूचक चिह्न	× × ×	(Cross)
14.	पुनरुक्ति सूचक चिह्न	” ”	(As on)
15.	तारक चिह्न	*	(Star)

1. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A)मुम्बई कोलकाता,दिल्ली और चेन्नई भारत की बड़ी जनसंख्या वाले नगर हैं।

(B)मुम्बई ! कोलकाता दिल्ली और चेन्नई भारत की बड़ी जनसंख्या वाले नगर हैं।

(C)मुम्बई ? कोलकाता, दिल्ली और चेन्नई भारत की बड़ी जनसंख्या वाले नगर हैं।

(D)मुम्बई,कोलकाता,दिल्ली और चेन्नई भारत की बड़ी जनसंख्या वाले नगर हैं।

1.अल्प विराम (,)

वाक्य को पढ़ते समय जहाँ थोड़ी देर के लिए रुकते या ठहरते हैं वहाँ अल्प विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है। हिन्दी भाषा में इस विराम चिह्न का प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में किया जाता है :-

(1) एक ही वाक्य में जब एक से अधिक उपवाक्य, शब्द और वाक्यांश समानरूप में प्रयुक्त होते हैं, तब इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

(i) मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली और चेन्नै भारत की बड़ी जन-संख्यावाले नगर हैं।
(ii) सागर में सीप, मोती, हीरे होते हैं साथ ही मछलियाँ, मगर और कीड़े भी होते हैं।

(2) किसी उद्धरण, उक्ति, या कथन से पूर्व अल्प विराम का प्रयोग किया जाता है।

(i) महात्मा गाँधी ने कहा था, "शान्तिपूर्ण आन्दोलन से ही भारत को स्वतन्त्र कराया जा सकता है।"

(3) किसी विषय और उसके सम्बन्ध में जानकारी देने या स्पष्ट करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
उदाहरण के लिए,

(i) रामचन्द्रिका, अयोध्यापुरी वर्णन खण्ड, छन्द-संख्या 3
(ii) कामायनी, श्रद्धा सर्ग, पृ० 33

(4) 'और' से जुड़े हुए शब्दों को अलग करने के लिए अल्प विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

भारत में ग़रीब और अमीर,सवर्ण और असवर्ण आदि अनेक समस्याएँ हैं।

(5)तिथि या तारीख़ को उनके ई० संवत् से अलग करने के लिए

(i) 15 अगस्त, 1947 (ii) 26 जनवरी, 1949

2. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A)उत्तरप्रदेश में सर्वाधिक अनुशासनहीनता है; डाकुओं का आतंक है; गुण्डागर्दी है और अशान्ति का वातावरण है।

(B)उत्तरप्रदेश में सर्वाधिक अनुशासनहीनता है, डाकुओं का आतंक है, गुण्डागर्दी है और अशान्ति का वातावरण है।

(C)उत्तरप्रदेश में ! सर्वाधिक अनुशासनहीनता है; डाकुओं का आतंक है; गुण्डागर्दी है और अशान्ति का वातावरण है।

(D)उत्तरप्रदेश ! में सर्वाधिक अनुशासनहीनता है। डाकुओं का आतंक है- गुण्डागर्दी है, और अशान्ति का वातावरण है

2.अर्द्ध विराम [;]

(1) वाक्य में जिस स्थान पर अल्प विराम से अधिक देर रुकने या ठहरने का संकेत मिले वहाँ अर्द्धविराम का चिह्न प्रयोग किया जाता है।

उत्तरप्रदेश में सर्वाधिक अनुशासनहीनता है; डाकुओं का आतंक है; गुण्डागर्दी है और अशान्ति का वातावरण है।

(2) एक ही अर्थ में दो या अधिक वाक्यों के बीच इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
वह परिश्रमी है; वह परिश्रम से कभी नहीं घबराता है।

(3) उपाधियों के बीच अर्द्ध विराम-चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
(ii) एम० ए०; पी-एच० डी०; एल-एल० बी०; एल-एल० एम०;

3. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A)श्याम, पुस्तक पढ़ता है।

(B)श्याम #पुस्तक पढ़ता है।

(C)श्याम पुस्तक पढ़ता है

(D)श्याम पुस्तक पढ़ता है।

3.पूर्ण विराम (।) - यह वाक्य की समाप्ति का बोधक है अर्थात् पूर्ण विराम वाक्य में पूरी तरह ठहराव और वाक्य के सम्पूर्ण अर्थ का बोधक भी है। अधोलिखित स्थितियों में इसका प्रयोग होता है -

(i) वाक्य के अन्त में - श्याम पुस्तक पढ़ता है। सैनिक युद्ध में वीरतापूर्वक लड़े।

(ii) कहानी-उपन्यास लिखने में- वह डाकू। कितना भयानक था उसका चेहरा।

(iii) छन्द के चरणों की समाप्ति पर- रहेउ एक दिन अवधि अधारा, समुझत मन दुख भएउ अपारा।

4. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A)क्या! तुम भी क्रिकेट मैच खेलने जा रहे हो।

(B)क्या तुम भी क्रिकेट और मैच खेलने जा रहे हो ?

(C)क्या तुम भी क्रिकेट मैच खेलने जा रहे हो ?

(D)क्या ! तुम भी क्रिकेट मैच खेलने जा रहे हो ?

4.प्रश्नवाचक चिह्न [?]

किसी से प्रश्न करने अथवा सन्देहात्मक स्थितियों में इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है :-

(1) जिन वाक्यों में किसी से प्रश्न किया जाता है, उनके अन्त में इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

आप क्यों रोते हैं?
आपका बेटा कहाँ है ?

(2)अनिश्चयात्मक और सन्देहात्मक स्थितियोंवाले वाक्यों में इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

शायद वह विदेशी है ?
वह इस परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो सका ?

5. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A)अरे! बस खाई में गिर गई -

(B)अरे! बस खाई में गिर गई

(C)अरे । बस खाई में गिर गई

(D) (अरे) बस खाई में गिर गई

5.विस्मयादि बोधक चिह्न (आश्चर्य चिह्न) (!)

हर्ष, शोक, प्रसन्नता, उत्साह, आश्चर्य, घृणा आदि भावों की अभिव्यक्ति करने वाले वाक्यों में विस्मयादिबोधक अव्ययों के बाद यह चिह्न लगता है। श्री गुरु ने इसे आश्चर्य चिह्न कहा है।

आह! वह बेचारा चल बसा-शोक

अरे ! बस खाई में गिर गई - दुर्घटना

6. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A)पिता पुत्र, साधु ब्राह्मण, रात दिन

(B)पिता/पुत्र, साधु/ब्राह्मण, रात/दिन

(C)पिता-पुत्र, साधु-ब्राह्मण, रात-दिन

(D)पिता ! पुत्र, साधु-ब्राह्मण, रात,दिन

6.योजक चिह्न [-]

योजक चिह्न को समासबोधक अथवा विभाजक चिह्न भी कहते हैं।

द्वन्द्व समास में इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

पुनरुक्त शब्दों के बीच में इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

लिखते समय यदि कोई शब्द पंक्ति में पूर्ण न हो सके तो इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

(i) चरण-कमल, राज-शचि आदि
(ii) पिता-पुत्र, साधु-ब्राह्मण, रात-दिन आदि
(i) राम-राम, हरे-हरे, हाँ-हाँ, घर-घर आदि

7. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A)संसद् के दो सदन हैं ? राज्यसभा और लोकसभा,

(B)संसद् के दो सदन हैं- राज्यसभा , लोकसभा।

(C)संसद् के दो सदन हैं- “राज्यसभा” “लोकसभा”।

(D)संसद् के दो सदन हैं- राज्यसभा और लोकसभा।

7.निर्देशक चिह्न (-)

यह विराम-चिह्न योजक चिह्न से बड़ा होता है-

1.किसी विषय अथवा विभाग को स्पष्ट करने तथा उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए-
संसद् के दो सदन हैं- राज्यसभा और लोकसभा।

2.कोई विवरण या स्पष्टीकरण देने के लिए-
भारत इसलिए धर्म-निरपेक्ष है क्योंकि यहाँ विभिन्न धर्मों को अपनाने की स्वतन्त्रता है।

3. अनेक वस्तुओं और व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाले शब्दों को पृथक् करने के लिए-

बालक, युवक, वृद्ध, स्त्री-सभी ने होली का आनन्द लिया।

8. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A)संस्कृत में तीन पुरुष होते हैं - उत्तम, मध्यम और अन्य।

(B)संस्कृत में तीन पुरुष होते हैं @उत्तम, मध्यम और अन्य।

(C)संस्कृत में तीन पुरुष होते हैं,, उत्तम, मध्यम और अन्य।

(D)संस्कृत में तीन पुरुष होते हैं:- उत्तम, मध्यम और अन्य।

8.विवरण चिह्न (:-)

किसी विषय या वस्तु का विवरण देने तथा किसी कथन की व्याख्या करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

(1) किसी विषय का विस्तार से विवरण देने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

निम्नलिखित का परिचय दीजिए :- आर्यभट, कोलम्बिया
निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :- भूमा, त्रिपिटक, अद्वैत

(2) किसी कथन का विशेष विवरण देने या उसे समझाने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

(i) संस्कृत में तीन पुरुष होते हैं :- उत्तम, मध्यम और अन्य।
(ii) काल के तीन भेद माने गये हैं :-भूत,वर्त्तमान और भविष्यत्।

9. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

(A) कबीर वाणी के डिक्टेटर थे। - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(B)“कबीर वाणी के डिक्टेटर थे।" - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(C) (कबीर वाणी के डिक्टेटर थे।) - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(D)कबीर, वाणी, के डिक्टेटर थे।" - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।

9.उद्धरण चिह्न अवतरण चिह्न (“ ”)

जब किसी के कथन को या किसी पुस्तक के अंश को ज्यों-का-त्यों उद्धृत करते हैं, तो प्रारम्भ में और अन्त में उद्धरण चिह्न लगाते हैं,

जैसे “कबीर वाणी के डिक्टेटर थे।" - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।

10. निम्न में से विराम चिन्ह कि द्रष्टि से कौन सा वाक्य सही हैं ?

A. पटेल - सरदार वल्लभ भाई भारत के 'लौह-पुरुष' कहे जाते थे।

B. पटेल (सरदार वल्लभ भाई) भारत के 'लौह-पुरुष' कहे जाते थे।

C. पटेल /सरदार वल्लभ भाई) भारत के 'लौह-पुरुष' कहे जाते थे।

D. (सरदार वल्लभ भाई) भारत के 'लौह-पुरुष' कहे जाते थे।

10.कोष्ठक चिह्न [ ], { }, ()

(1) किसी कथन, शब्द और वाक्यांश को अधिक स्पष्ट करने के लिए -

मेरी पुस्तक छपने वाली है (क्यों न हो शिक्षा का अधिकार ?)
पटेल (सरदार वल्लभ भाई) भारत के 'लौह-पुरुष' कहे जाते थे।

(2) अस्पष्ट और क्लिष्ट शब्दों को स्पष्ट करने के लिए -

इस वर्ष फ़सल को उसके शत्रुओं (कीड़े-मकोड़ों) से बचाने का पर्याप्त प्रबन्ध किया गया है।

(3) नाटक में पात्रों के अभिनय को अभिव्यक्त करने के लिए -

(दुःखी होकर) “अरे, तुम रो क्यों रही है?"
(लज्जित होकर)“अभी एक पत्र से पता चला है, मैं परीक्षा में उत्तीर्ण रही।

11.संक्षेप चिह्न (·) –

कभी-कभी वाक्य में पूरा शब्द न लिखकर संक्षिप्त शब्द से काम लिया जाता है। ऐसी स्थिति में संक्षिप्त शब्द के बाद इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है,

(i) हिन्दी साहित्य सम्मेलन के स्थान पर केवल हि. सा. स.

(ii) संस्थाओं के नाम भी संक्षिप्त करके लिखे जाते हैं,
म.प्र. संगीत अकादमी, भोपाल
एन. सी. ई. आर. टी. दिल्ली

(iii) उपाधियाँ भी संक्षिप्त रूप में ही लिखी जाती हैं,
एम.बी.बी.एस. , बी. ए.; बी. एड.

(iv) हम प्राय: अपने हस्ताक्षर में भी केवल प्रथम अक्षर का ही प्रयोग करते हैं,
आर . के. गुप्ता
आर. आर . शर्मा

12 हंस पद चिह्न (^) -

लिखने जब कोई शब्द छूट जाता है तब उस स्थान पर इस चिह्न को लगाकर छूटे हुए अंश को लिख दिया जाता है,

आयु

(i) नाद सौन्दर्य से सविता की ^ बढ़ती है।

काव्य

(ii) व्यंजक वाक्य ही ^ माना जाता है।

चित्र रूप

(iii) कविता में कही हुई बात ^ में हमारे सामने आनी चाहिए।

13. लोप सूचक चिह्न (x x x) —

इसे अपूर्णता सूचक चिह्न भी कहते हैं। जब किसी कविता, लेख आदि का कुछ अंश देकर शेष को छोड़ दिया जाता है, तो इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है;

(i) 'मनुष्य के लिए कविता इतनी प्रयोजनीय वस्तु है कि संसार की सभ्य-असभ्य सभी जातियों में, किसी-न-किसी रूप में पायी जाती है।

x x x x x x x x जानवरों को इसकी जरूरत नहीं।' - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) रावरे रूप की रीति अनूप नयो-नयो लागत ज्यों-ज्यों निहारिए ।

x x x x x x x x x x x x x - घनानंद

14.पुनरुक्ति सूचक चिह्न (” ”) –

एक ही वस्तु को बार-बार दोहराने से बचने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे

वस्तु का नाम	वजन (मात्रा)
चीनी	पाँच किलो
दाल	” ”
गेंहूँ	” ”
बाजरा	” ”

15. तारक चिह्न- (*)

तारक चिह्न का प्रयोग प्राय: फुटनोट अथवा पाद टिप्पणी देने के लिए किया जाता है।
उद्धृत अंश को ऊपर लिखा जाता है और उसके सन्दर्भ ग्रन्थ को नीचे फुटनोट में तारांकित करके लिखते हैं,

पराधीन सपनेहु सुख नाहीं।*
दुःख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात।*

*रामचरितमानस, बालकाण्ड, तुलसीदास

*कामायनी, श्रद्धा सर्ग, जयशंकर प्रसाद

11.वाक्य में कौन सा अविकारी हैं , पूर्व वृक्ष के नीचे बैठा है।
(a) क्रिया विशेषण
(b) सम्बन्ध बोधक
(c) समुच्चय बोधक
(d) विस्मयादि बोधक

12.'मैं जल्दी जाऊँगा **ताकि** आराम कर सकूँ में मोटा छपा शब्द क्या है?
(a) क्रिया विशेषण
(b) सम्बन्ध बोधक
(c) समुच्चय बोधक
(d) विस्मयादि बोधक

सम्बन्धबोधक (Preposition)-

जिसके द्वारा वाक्य में किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्द का सम्बन्ध किसी अन्य शब्द भेद के साथ प्रकट हो, उसे 'सम्बन्धबोधक' कहते हैं।

उदाहरण के लिए,

पूर्वा छत पर खड़ी है।

पूर्व वृक्ष के नीचे बैठा है।

सम्बन्धबोधक अव्यय-

आगे, पीछे, बीच, परे, सामने, ऊपर, नीचे, मध्य, दरम्यान,
समीप, निकट, नजदीक, पास, भीतर, बाहर, अन्दर, नीचे, ऊपर, तले
आगे, पीछे, पूर्व, पहले, तक, बीच, आस-पास, लगभग,

समुच्चयबोधक (Conjunction)-

जो अव्यय दो शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्य-खण्डों को एकत्र कर उनका पारस्परिक योग अथवा पृथकत्व सूचित करे, उसे 'समुच्चयबोधक' कहते हैं। उदाहरण के लिए,

1. राम ने खाना खाया और सो गया।
2. उसने बहुत समझाया लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं मानी।
3. अगर तुम बुलाते तो मैं जरुर आता।

समुच्चयबोधक अव्यय के 2 मुख्य भेद हैं,-

1. समानाधिकरण
2. व्याधिकरण

1.समानाधिकरण:- दो मुख्य वाक्यों को जोड़नेवाले अव्यय को 'समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय' कहते हैं। जैसे - और, व, तथा, भी, अथवा, किंवा, या, चाहे, न कि, लेकिन, किन्तु, मगर, पर, बल्कि, अपितु,

2.व्याधिकरण:- जिन अव्ययों के द्वारा मुख्य वाक्य में आश्रित/ उपवाक्य जोड़े जाते हैं, वे 'व्याधिकरण समुच्यबोधक अव्यय' कहलाते हैं। जैसे - कि, चूँकि, क्योंकि, इसलिए कि, कारण कि, जो कि,ताकि, जो, इसलिए,

शब्द	विलोम
अल्पायु	दीर्घायु
अर्पित	गृहित
अमावस्या	पूर्णिमा
आश्रित	निराश्रित
कृत्रिम	प्राकृत
कनिष्ठ	ज्येष्ठ
कुरूप	सुंदर
क्षुद्र	वृहद
ग्रस्त	मुक्त
गुरु	लघु

धन्यवाद...